भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या :3076

दिनांक 16 दिसम्बर, 2021/25 अग्रहायण,1943 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन अवसंरचना को मजबूत बनाना

3076. श्री कृपानाथ मल्लाह:

श्री सी.लालरोसांगा:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का उत्तर-पूर्व क्षेत्र सहित देश में विमानन अवसंरचना को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) असम सहित उत्तर-पूर्व क्षेत्र में अवसरंचना के विकास के लिए जिन विमानपत्तनों पर विकास कार्य चल रहा है उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा निकट भविष्य में उत्तर-पूर्व क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत असम को शामिल किया है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) से (च): जी हां। उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में विमान संपर्कता सरकार की प्राथमिकता है।

उत्तर पूर्व क्षेत्र सहित देश में विमानन अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण एक सतत प्रक्रिया है तथा विमान प्रचालनों की संरक्षा के लिए प्रचालन अपेक्षाओं के आधार पर किया जाता है। इससे प्रचालन दक्षता तथा टर्मिनल बिल्डिंग की क्षमता में वृद्धि होती है, जो विमानों की बाधारहित आवाजाही की सुविधा प्रदान करता है और यात्री प्रयोक्ता अनुभव को संवर्धित करता है।

तेजू (अरुणाचल प्रदेश) तथा रूपसी (असम) में लाइसेंस प्रदान किए जाने सहित विकास कार्य पूरा हो चुका है तथा इन हवाईअड्डों से प्रचालन प्रारंभ हो चुके हैं।

इसके अलावा, उत्तर पूर्व क्षेत्र के अलग-अलग राज्यों में हेलीपोर्टों पर, एडवांस लैंडिग ग्राउंडस (एएलजी) पर तथा वाटर एड्रोड्रोमों पर विकास कार्य भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा किया गया है।

साथ ही, नागर विमानन मंत्रालय ने विमान यात्रा को जनता के लिए किफायती बनाते हुए देशभर के अप्रचालित तथा अल्पपरिचालित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय विमान संपर्क को प्रोत्साहित करने के लिए 21-10-2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना – उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) प्रारंभ की है।

आरसीएस-उड़ान योजना एक बाजार चालित प्रणाली है। क्षेत्रीय विमान संपर्क मार्गों के विकास को बाजार शक्तियों पर छोड़ दिया गया है। एयरलाइनें, मार्ग विशेष पर मांग तथा आवश्यक सेवा की प्रकृति का आकलन करती हैं तथा आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत बोली प्रक्रिया में भाग लेती है। एयरलाइनों का चयन एक पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है।

अभी तक, उड़ान योजना के अंतर्गत असम सहित उत्तर-पूर्व के राज्यों में चिन्हित/अवार्ड किए गए हवाईअड्डों एवं वाटर एयरोड्रोमों की सूची अनुबंध के तौर पर संलग्न है तथा गुवाहाटी रिवर फ्रंट तथा उमरांग्सो रिजर्वोयर को छोड़कर, सभी हवाईअड्डों को प्रचालनिक किया जा चुका है।

पहाड़ी इलाकों तथा दूर-दराज के इलाकों को संपर्क प्रदान करने के लिए आरसीएस उड़ान योजना-2.0 तथा 4.0 की बोली प्रक्रिया के दौरान उत्तर पूर्व राज्यों नामतः असम, मणिपुर, मेघालय तथा अरुणांचल प्रदेश में हेलीकॉप्टर मार्ग/ नेटवर्कों को हेलीकॉप्टर प्रचालकों को अवार्ड किया गया है तथा इनका ब्यौरा इस प्रकार से हैः-

1. अरुणाचल प्रदेश- डपारिजो ईटानगर, तूतिंग वालोंग यिंगियोंग एवं जीरो।

2. असमः नगांव (एच) गेलेकी (एच) मीसा (एच)।

3. मणिपुरः जिरीबाम (एच) मोरे (एच) पारबंग (एच) तामेंगलोंग (एच) थालोन (एच)।

4. मेघालयः सोहरा, डॉवकी एवं विलियमनगर।

उत्तर-पूर्व राज्यों में चिन्हित हवाईअड्डे देश के मुख्य शहरों के हवाईअड्डों से जुड़ चुके हैं तथा उनकी संपर्कता का विवरण निम्नानुसार हैः

- पाक्योंगः कोलकाता, दिल्ली एवं गुवाहाटी मुख्य शहरों से जुड़ चुका है।

- जोरहाटः कोलकाता से जुड़ चुका है।
- तेजपुरः कोलकाता
- रुपसीः गुवाहाटी एवं कोलकाता
- शिलांगः कोलकाता, इंफाल
- लीलाबारीः कोलकाता
- पासीघाटः गुवाहाटी
- तेजूः गुवाहाटी
- दीमापुरः गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, इंफाल एवं शिलांग

अनुबंध

दिनांक 16.12.2021 को दिए जाने वाले विमानन अवसंरचना के सुदृढीकरण से संबंधित अतारांकित प्रश्न संख्या 3076 के उत्तर से संदर्भित विवरण।

राज्य	हवाईअड्डा
अरुणांचल प्रदेश	पासीघाट
	तेजू
असम	रूपसी
	जोरहाट
	लीलाबारी
	तेजपुर
	गुवाहाटी रिवर फ्रंट
	उमरांग्सो रिजर्वोयर
मेघालय	शिलांग (बारापानी)
नागालैंड	दीमापुर
सिक्किम	पाक्योंग